(d) The U.P. Pollution Control Board has initiated the following corrective steps to be implemented during the Eighth Five-Year Plan for controlling pollution:

(i) identification of highly polluting industries, stretches of rivers and problem areas for taking concerted action for source control;

(ii) a time bound programme for installation of effluent treatment plants and air pollution control devices in major defaulting units.

सातवीं पंचवर्षीय योजनावधि के दौरान विकास योजनाओं का कार्यान्वयन

1454. **सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा :**
श्री राम जेठमलानी :

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने सातवीं पंचवर्षीय योजनावधि के दौरान अनेक विकास योजनाओं को लागू करने का निर्णय किया था ;

(ख) यदि हां, तो उक्त अवधि के दौरान उन योजनाओं पर काम चालू करके कितनी योजनायें पूरी की जानी थीं ;

(ग) क्या ये सभी योजनायें निर्धारित अवधि के भीतर पूरी कर ली गई थीं ; और

(घ) यदि नहीं, तो कितनी योजनायें पूरी नहीं की गई और निर्धारित समय के अनुसार इन योजनाओं को पूरा न किये जाने के कारण देश को कितना आर्थिक नुकसान होने की संभावना है ?

योजना मंत्रालय में राज्य मंत्री और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री भाग्ये गोवर्धन) : (क) से (घ) जी, हां। सातवीं पंचवर्षीय योजना अवधि के दौरान अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों से संबंधित अनेक अलग-अलग स्कीमों को विभिन्न अभिकरणों द्वारा केन्द्र तथा राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा तैयार और कार्यान्वित किया गया था । समीक्षा और मूल्यांकन के आधार पर इनमें ऐसी नई स्कीमें तथा पिछली योजना से ली गई स्कीमें शामिल थीं, जिनमें कुछ पुनर्संरचित अथवा अन्य स्कीमों के साथ समाहित की गई थीं ।

इन परिस्थितियों में, केन्द्रीय योजना और राज्य योजनाओं के विभिन्न उप क्षेत्रकों से संबंधित स्कीमों के अपूर्ण अथवा देर से पूर्ण होने के कारण वित्तीय हानियों की सूचना देना संभव नहीं है।

सातवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान निर्धारित लक्ष्य

1455. **सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा :** क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सातवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान कृषि, उद्योग, सड़क निर्माण, ऊर्जा और विदेशी मुद्रा भंडारों के सृजन आदि के संबंध में लक्ष्य निर्धारित किये गये थे ;

(ख) यदि हां, तो उनका ब्यौरा क्या है और क्या वे लक्ष्य प्राप्त कर लिये गये हैं ; और

(ग) यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं ?

योजना मंत्रालय में राज्य मंत्री और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री भाग्ये गोवर्धन) : (क) जी, हां ।

(ख) और (ग) लक्ष्यों तथा उपलब्धियों के ब्यौरे और न्यूनता के कारण विवरण में दर्शाये गये हैं ।

विवरण

सातवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान निर्धारित

मद	इकाई	लक्ष्य	उपलब्धियां
1. **कृषि**			
वर्ष 1989–90 के दौरान खाद्यान्नोत्पादन	मिलियन टन	175.0*	(क)†

†(क) सातवीं पंचवर्षीय योजना के अंतिम वर्ष के लिये कृषीय उत्पादन के आंकड़े कृषीय वर्ष की समाप्ति पर 30 जून, 1990 के बाद उपलब्ध होंगे । 1989–90 में 170.25 मिलियन टन के लक्ष्य को प्राप्त किया गया ।

2. **उद्योग**	उत्पाद के सकल मूल्य उत्पादन के अनुसार प्रतिवर्ष औसत संवृद्धि दर ।	8.7%	8.5%**

न्यूनता के कारण

न्यूनता सीमा तक रही ।

3. **सड़क निर्माण**			
( ) 1500 और इससे अधिक आबादी वाले गांवों को सड़क से जोड़ना ।		100% (अर्थात् सभी गांव)	89.62%

न्यूनता के कारण

कुछ राज्यों में संसाधनों के अभाव के कारण उपलब्धि लक्ष्य से कम है ।

(ii) 100 से 1500 तक की जन संख्या वाले गांवों को सड़क से जोड़ना		50% गांवों को	68.18%
4. **ऊर्जा**			
(i) 1989–90 के दौरान कोयला उत्पादन	— मिलियन टन	226.00	200.8

न्यूनता के कारण :

कोयले की मांग अनुमानित मांग है और यह कोयले का उपभोग करने वाले क्षेत्रीय लक्ष्यों के आधार पर आंकलित की जाती है । उत्पादन लक्ष्य मांग की पूर्ति के लिये आपूर्ति योजना को ध्यान में रखते हुये निर्धारित किये जाते हैं जिसमें देश में निकाला गया कोयला ही नहीं आयातित उत्कृष्ट कोटि का कोयला, खदान शीर्षों का कोयला स्टाक आदि भी शामिल है । पंचवर्षीय योजना के लक्ष्य (उत्पादन का अंतिमवर्ष) कुल कोयला उपभोग करने वाले क्षेत्रों की मांग की प्रायोजना के अनुरूप निर्धारित किये जाते हैं । तथापि, प्रतिवर्ष वार्षिक योजना तैयार करते समय मांग के अनुरूप उत्पादन लक्ष्य विनियमित किये जाते हैं उदाहरण के तौर सातवीं योजना (1989–90) का लक्ष्य 226 मीटरी टन, वार्षिक योजना (1989–90) को तैयार करते समय पुनरीक्षित लक्ष्य 209.5 मीटरी टन और वास्तविक उत्पादन 200.8 मीटरी टन था कोयला उत्पादन में यह कमी सीमान्तक न्यूनता विद्युत की कमी,खानों में अनुपस्थिति और श्रमिक असंतोष आदि के कारण हुई ।

(ii) वर्ष 1989–90 के दौरान कच्चा तेल		
(iii) वर्ष 1989–90 को विद्युत उत्पादन (उपयोगितायें)		
मिलियन टन	34.5	34.1
मिलियन किलोवाट	280.4	244.97

न्यूनता के कारण

कुछ थर्मल स्टेशनों के ठीक से कार्य न करने तथा नई अपेक्षित परियोजनाओं के न लगने केपरिणाम स्वरूप विद्युत उत्पादन में कमी आयी। इसके अतिरिक्त संसाधनों में कमी तथा निम्नलिखित विलंब के कारण क्षमता में गिरावट आयी।

(1) वन तथा पर्यावरणीय दृष्टिकोण से अनुमोदन प्राप्त करना

(2) भूमि अधिग्रहण

(3) बड़े सिविल निर्माण कार्यों के ठेकों को अनंतिम रूप देना, और

(4) ई० एंड एम० उपकरणों की आपूर्ति

(5) योजना के दौरान विदेशी मुद्रा रिजर्व का सृजन		
मुद्रा रिजर्व का संलचन करोड़ रुपये मे	+200.0	−991.0

न्यूनता के कारण

मध्यम अवधि के विभिन्न प्रतिकूल घटकों के भुगतान शेष की स्थिति पर दवाब बढ़ाने में योगदान दिया है। इनमें उत्पादन में आत्मनिर्भरता में ह्रास 1984–85 में शीर्ष से ही कच्चे तेल और पेट्रोलियम उत्पादों के उपभोग, व्यापार की वित्त व्यवस्था के लिये अदृश्य लेखे में अतिरंकों में सतत् कमी और पहले लिये गये ऋणों को चुकता न करना, शामिल है। बड़े राष्ट्रकोषीय घाटों की दीर्घकालीन घटनाओं ने भी विदेशी संतुलन के चालू खाते पर प्रतिकूल प्रभाव डाला है। ये सभी दवाब अल्पावधि घटको जैसे 1987–88 के सूखे जिससे आयात और निर्यात पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा और वर्ष 1988–89 के दौरान आयात बिल के झटके से, और आर्थिक सुधारों आदि भंडारों के पुनर्भरण से और बढ़ गये।

टिप्पणी:–*जैसा कि सातवीं पंचवर्षीय योजना के मध्यावधि मूल्यांकन में दर्शाया गया है।

**सातवीं पंचवर्षीय योजना के प्रथम चार वर्षों के अनुरुप।

Stagnation in the Services of Government Employees

1456. SHRI KAMAL MORARKA: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether Government are aware of large scale stagnation in promotion avenue of Government employees;

(b) if so, whether there is any proposal under Government's consideration ot give at least 2/3 promotions to each and every Government Servant; and

(c) if so, what are the details thereof?

THE PRIME MINISTER (SHRI VISHWANATH PRATAP SINGH): (a) Government are aware that there are some cadres without promotional avenues or with inadequate promotional avenues.

(b) There is no proposal under consideration to give atleast 2/3 promotions to each and every Government servant.

(c) Does not arise.